

| | | |
|---|----------------------------------|----------------------------|
| तारीख हुक्म हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज | नम्बर अहकार की तारीख |
|---|----------------------------------|----------------------------|

उक्त अन्तर्गत के प्रकरण में वादीगण एवं प्रतिवादीगण के बीच आपसी शरीकामा है। गण है। वादीगण अपना वाद पत्र मांगे नहीं चलाना चाहते हैं एवं उक्त वाद पत्र जरिजै विज्ञान रगारिज करवाना चाहते हैं। प्राप्य जेश मउ तिरोह है सि गरीगण का गउ जरिजै विज्ञान रगारिज करवावे। प्राप्य ला. सि. है।

वहील मउ गरीगण द्वारा प्राप्य प्राप्य गउ विज्ञान रगारिज करने का जेश करेन व गउ के मांगे कारिगरी नही चाहते हैं। वादीगण का गउ जरिजै विज्ञान रगारिज किला जाउ है। प्वागली कौतल शुभाद टोकल मउर है का है। वाद नमरील प्राप्य दाखिल दखल लेखन/अपुल प्राप्य है।

580.

(Faint handwritten notes and bleed-through from the reverse side of the page, including phrases like 'इतिहास', 'कौतल', 'दाखिल', 'दखल', 'लेखन', 'अपुल', 'प्राप्य', 'गउ', 'जरिजै', 'विज्ञान', 'रगारिज', 'करीगण', 'वादीगण', 'प्रतिवादीगण', 'शरीकामा', 'ला. सि.', 'प्राप्य', 'जेश', 'मउ', 'तिरोह', 'गरीगण', 'कारिगरी', 'नही', 'चाहते', 'हैं', 'कौतल', 'शुभाद', 'टोकल', 'मउर', 'है', 'का', 'है', 'वाद', 'नमरील', 'दाखिल', 'दखल', 'लेखन', 'अपुल', 'प्राप्य', 'है', 'गरीगण', 'वादीगण', 'प्रतिवादीगण', 'शरीकामा', 'ला. सि.', 'प्राप्य', 'जेश', 'मउ', 'तिरोह', 'गरीगण', 'कारिगरी', 'नही', 'चाहते', 'हैं', 'कौतल', 'शुभाद', 'टोकल', 'मउर', 'है', 'का', 'है', 'वाद', 'नमरील', 'दाखिल', 'दखल', 'लेखन', 'अपुल', 'प्राप्य', 'है')